करौली-हिंडौन भास्कर

जयपुर, शनिवार, 15 अक्टूबर, 2022 | 19

अच्छी पहलः • राजकीय पीजी कॉलेज में कैंटीन नहीं होने से 1500 स्टूडेंट को हो रही थी परेशानी

इंदिरा रसोई के काउंटर से विद्यार्थियों को मिलेगा 8 रु. में भोजन

कास हिंडोन सिटी/(ग्रामीण)

करौली मार्ग स्थित राजकीय पीजी कॉलेज में कैंटीन नहीं होने से खानपान के लिए परेशान होने वाले 1500 स्टूडेंट के लिए राहत की खबर है। कॉलेज प्रिंसिपल की मांग पर नगर परिषद की ओर से कॉलेज में इंदिरा रसोई के तहत काउंटर शुरू किया गया है। इस काउंटर पर छात्र-छात्राओं को स्वादिष्ट भोजन का पैकिट मात्र 8 रुपए में मिल सकेगा। इस सुविधा का लाभ प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक उठाया जा सकेगा। इंदिरा रसोई का काउंटर खुलने से छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी। क्योंकि पढ़ाई का समय 10 से 5 बजे तक का हैं और 1500 में से 1200 स्टूडेंट गांवों से पढ़ाई के लिए आते हैं। इनमें से समय का अभाव होने के कारण कई लोग अपना टिफिन नहीं ला पाते और कई लोग सुबह भी भोजन नहीं कर पाते थे,लेकिन अब कॉलेज में इन्हें भोजन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कॉलेज प्रिंसिपल सुरेशचंद मीना ने बताया कि राजकीय पीजी कॉलेज में कला, वाणिज्य व विज्ञान संकाय सहित करीब 1200 स्टूडेंट तथा कॉलेज परिसर के कमरों में ही संचालित राजकीय कन्या कॉलेज में 200 छात्राएं कुल मिलाकर 1500 स्टूडेंट अध्ययनरत हैं। कॉलेज में कैंटीन की सुविधा नहीं है और कैंटीन के लिए टेंडर निकाला हुआ है। कैंटीन खुलने के बाद भी केवल चाय व नाश्ता ही मिल सकता है। 80 प्रतिशत स्टूडेंट गांवों से पढ़ाई के लिए आते हैं और उन्हें कैंटीन नहीं होने से खानपान की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। काउंटर की शुरुआत आयुक्त कीर्ति कुमावत की मौजूदगी में की गई। इस मौके पर योजना प्रभारी सत्येन्द्र पाराशर, मुकेश कुमार गोयल, डॉ महेश गर्ग, डॉ रितेश जैन, भोली मीना, राजकुमारी, गुंजन गोयल आदि मौजूद रहे।

हिंडौन सिटी। इंदिरा रसोई के काउंटर के शुभारंभ पर आयुक्त व कॉलेज के प्रोफेसर।

हिंडौन शहर में संचालित हो रही हैं 9 इंदिरा रसोई

नगर परिषद के इंदिरा रसोई योजना प्रभारी सत्येन्द्र पाराशर ने बताया कि हिंडौन शहर में 9 इंदिरा रसोई संचालित हो रही हैं। शुरुआत में तीन इंदिरा रसोई संचालित हो रही थी, लेकिन गत दिनों 6 स्थानों मिस्त्री मार्केट, गुलशन कॉलोनी, जाटव बस्ती, नई मंडी क्षेत्र, अनाज मंडी, मंडावरा रोड पर भी इंदिरा रसोई का संचालन शुरू किया गया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का उदेश्य है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन मिल सके और कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा।